

वार्ड 42,43 की जनता ही लड़ रही है यह चुनाव : दीपक यादव

चुनाव प्रचार के आखिरी दिन भाजपा सरकार पर बरसते हुए दीपक यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री चाहे कितनी भी रैलियां कर लें बल्लभगढ़ में हमारा काम बोलता है। पूर्व पार्षद दीपक यादव ने बताया कि सभी देवतुल्य बुजुर्गों और जनता के आशीर्वाद से ही मैंने वार्ड नंबर 42 से नामांकन भरा है। यह इलेक्शन में नहीं वार्ड 42 की जनता लड़ रही है। जिस तरीके से दोनों वार्डों में राव रामकुमार जी को 2010 में क्षेत्र की जनता ने निर्दलीय पार्षद की जिम्मेदारी दी थी तब यह अकेले इस तरह के पार्षद थे जिन्होंने अपने खर्च से कार्य करने का काम किया और जब उन्हीं के पदचिह्नों पर चलते हुए 2017 में इसी जनता ने मुझे सबसे युवा पार्षद होने का गौरव देकर सदन में भेजने का कार्य किया था तो मैंने भी सड़क से लेकर सदन तक उनकी आवाज उठाने का कार्य किया। अब फैंसला जनता के हाथ में है कि वह किसे चुनेगी।

हमारा परिवार पहले से ही जनता की सेवा करता आया है और आगे भी करता रहेगा: राव रामकुमार

पूर्व पार्षद एवं बल्लभगढ़ विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी राव रामकुमार ने बताया कि दीपक यादव ने अपना पिछला कार्यकाल सफलता पूर्वक पूरा किया है। अभी तक दीपक यादव के के ऊपर ऐसा कोई भी आरोप नहीं है जो इसके उपर दाग लगाता हो, साफ सुथरी छवि के साथ दीपक ने निस्वार्थ भावना से सबके काम किए हैं। मुझे पूरा विश्वास है और जनता जनार्दन सब जानती है दीपक को फिर से लोगों की सेवा करने का मौका हमें मिलेगा। 2010 से अब तक निरंतर हमारा परिवार पद के साथ जनता की सेवा में लगा हुआ है, और बिना पद की बात करें तो हमारा परिवार हमारे बुजुर्ग, हमारे दादा, हमारे पड दादा सैकड़ों सालों से बल्लभगढ़ की जनता की सेवा करते आए हैं और उसी के प्रतिफल जनता हमें 2 मार्च को अपना आशीर्वाद देगी, ऐसा हमें पूर्ण विश्वास है।



चुनाव प्रचार का आखिरी दिन

बल्लभगढ़ के वार्ड 40, 42, 43 में जीत की ओर अग्रसर हवाई जहाज?

बल्लभगढ़ की जनता जानती भी है और पहचानती भी है



वार्ड 42 के पार्षद पद उम्मीदवार दीपक यादव एवं वार्ड 43 की पार्षद पद उम्मीदवार रश्मि यादव चुनाव प्रचार के आखिरी दिन जनसभा को संबोधित करते हुए।

समाचार गेट/संजय शर्मा/सुमित गोयल

बल्लभगढ़। नगर निगम चुनाव के लिए सभी उम्मीदवारों ने पूरे जोश-उत्साह के साथ प्रचार किया। भाजपा, कांग्रेस, आप, बीएसपी जैसी पार्टियों के अलावा निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है। अब जबकि प्रशासन द्वारा प्रचार प्रसार अभियान पर 48 घंटों की समयवाधि के लिए रोक लगा दी गई है। एक तरफ जहां भाजपा प्रत्याशियों के प्रचार के लिए कैबिनेट मंत्रियों एवं विधायकों ने कार्यक्रमों में अपना समर्थन दिया तो वहीं शहर में मुख्यमंत्री स्तर के रोड शो भी हुए। चुनावी माहौल में वार्ड 36 से भाजपा के प्रत्याशी कुलदीप साहनी निर्विरोध जीत रहे हैं, बावजूद इसके बल्लभगढ़ शहर के बीचों-बीच वार्ड

42 इस बार काफी चर्चित रहा है क्योंकि इस वार्ड से भाजपा के उम्मीदवार बुद्धा सैनी के मुकाबले में निर्दलीय उम्मीदवार दीपक यादव जीत की ओर अग्रसर दिखाई पड़ रहे हैं। कुम्हार वाडा, बनिया वाडा, ब्राह्मण वाडा, जगदीश कालोनी, मुकेश कालोनी के अलावा बल्लभगढ़ मैन बाजार के लोगों की मानें तो वार्ड 42 में यादव परिवार का प्रभाव भाजपा प्रत्याशी पर हावी पड़ता दिखाई दे रहा है। यादव परिवार के जाने पहचाने चिराग दीपक यादव ने किसी भी पार्टी के टिकट पर न लड़ने का फैसला करते हुए खुद ही लगातार जनसंपर्क अभियान किया जिसे लोगों ने सराहा भी। कहने को तो वार्ड 42 के मतदाता भाजपा प्रत्याशी बुद्धा सैनी पर चंदावली गांव का निवासी होने की वजह से वार्ड से

बाहरी होने का आरोप लगा रहे हैं, तो वहीं यादव परिवार को लोग सैंकड़ों वर्षों से अहीर वाडे का निवासी और जमीन से जुड़ा हुआ पाते हैं। वार्ड 42 के लोगों की मानें तो यादव परिवार को और उनके काम को बल्लभगढ़ की जनता जानती है और पहचानती भी है। यादव परिवार द्वारा कई मंदिरों के लिए जमीनों दान करना, वर्षों से बल्लभगढ़ शहर वासियों के दुख: सुख में उनके साथ खड़े रहना। यहां के लोग कहते हैं कि यादव परिवार के दरवाजे आधी रात को भी हमारे लिए खुले रहते हैं। दीपक यादव अपने वार्ड में बिना किसी आरोप के कार्यकाल पूरा करने वाले पार्षद रहे, जिसकी वजह से स्थिति मजबूत होती दिखाई दे रही है। यहां के निवासियों के मुताबिक

अगर बल्लभगढ़ शहर में भाजपा द्वारा खड़े प्रत्याशियों की पकड़ अच्छी होती तो सीएम को पार्षद उम्मीदवारों के लिए मैदान में उतरने की जरूरत नहीं पड़ती। जानकारी के लिए बता दें कि नामांकन के पहले ही दिन राव रामकुमार के छोटे बेटे पवन यादव वार्ड 40 और उनकी पुत्रवधु रश्मि यादव ने वार्ड 43 से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पार्षद पद के चुनाव के लिए नामांकन किया था। हिन्दी दैनिक समाचार गेट के संवाददाता ने जब दीपक यादव से 4 दिन बाद नामांकन भरने का कारण पूछा तो उन्होंने बताया कि वार्ड 42 होने के कारण राव परिवार के हजारों समर्थकों का वोट बैंक वार्ड 42 में आ गया है एवं उनके आग्रह एवं आशवासन पर ही पूर्व पार्षद दीपक यादव को वार्ड 42 से नामांकन भरना पड़ा था।

भाजपा ने जो वार्ड नंबर 42 के लोगों के साथ धोखा किया है इस वार्ड को बीसीबी ग्रेड में आरक्षित कर दिया। जब 1994 में नगर निगम बना था तब से इस वार्ड से जनरल सीट रही है और इस वार्ड पर जनरल पार्षद बनता आया है। इस नाराजगी को लेकर यहां के लोगों ने दीपक यादव को खुद खड़ा करा है। - विपिन गोयल



वैसे तो यह जनरल वार्ड था जिसको बीसीबी में रिजर्व कर दिया। लेकिन पार्षद चाहे किसी भी वर्ग का हो हमें ऐसे पार्षद की जरूरत है जो यही का निवासी हो और समय पढ़ने पर जनता के साथ खड़ा हो। दीपक यादव में यह सब खूबियां देखी गई है। - गोपाल गोयल समाजसेवी



पार्षद के चुनाव गली व शहर की समस्याओं का चुनाव होता है हमें ऐसे पार्षद की आवश्यकता है जो ग्राउंड लेवल पर रहकर काम करें जो दिन रात समय पढ़ने पर जनता की आवाज बनकर उनके साथ खड़े रहे समय पढ़ने पर सबसे पहले पार्षद को ही याद किया जाता है। - नीरज सिंगला व्यापारी



दीपक यादव के टक्कर में कोई नहीं है जनता की आवाज यही है कि दीपक यादव को लाना है वहीं मुख्यमंत्री के आने से रैलियां करने से कोई फर्क नहीं पड़ता है जनता काम देखती है दीपक को छवि पार्षद के रूप में अच्छी रही है। - विजेंद्र सिंह स्थानीय निवासी



भाजपा सरकार ने ऐसे प्रत्याशी को उतारा है जिसका ना तो यहां घर है ना कोई ठिकाना ऐसे प्रत्याशी को यहां की जनता ने नकार दिया है और जहां से आए हैं वहां जाने की सलाह दे दी है दीपक यादव यही का बेटा है और उनकी टक्कर में कोई नहीं है और सीएम को जो रैली करी गई थी वह फ्लॉप थी। - राजकुमार वार्ड निवासी



भारतीय जनता के प्रत्याशी ने इस वार्ड में अभी तक कोई कदम नहीं रखा और प्रत्याशी कोई भी हो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। भाजपा द्वारा थोपे गए प्रत्याशी पहले भी पार्षद रह चुके हैं दूसरे वार्ड से जिन्होंने आज तक उस वार्ड में भी कोई कार्य नहीं किया है दीपक यादव यहां की जनता की पसंद है। हमने इनका कार्यकाल देखा हुआ है यह जनता के साथ खड़े रहते हैं। - बाबूराम



चुनाव प्रचार के आखिरी दिन पवन यादव ने रैली के जरिए दिखाई अपनी ताकत

2010 में राव राम कुमार भी पार्षद रहे थे उन्होंने इस वार्ड में सभी टूटी हुई सड़कों को बनवाया पानी जैसे समस्याओं को खत्म करवाया अब पवन भी उनके कदमों पर चल रहा है इस वार्ड से वह ही पार्षद बनेगा और यह आपर भीड़ का जन समूह यह राव साहब का प्यार है जो उनके साथ इतनी भीड़ की संख्या है - मनीष शर्मा समाजसेवी



पवन यादव शिर्षित पढ़ा लिखा और अच्छा लड़का है 10-12 साल से उनके पिता भी यहां की सेवा करते आए हैं पहले उनके पिता ने यहां पर विकास कार्य को करवाया है और अब पवन को यह मौका मिला है नई युवा पीढ़ी को मौका मिला है यह अच्छी बात है - शेखर गोयल

समाचार गेट/सुमित गोयल बल्लभगढ़। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन वार्ड नंबर 40 से निर्दलीय प्रत्याशी पवन यादव ने अपार जन समूह के साथ रैली निकाल कर अपने प्रतिद्वंदियों को दिखा दिया कि वह टक्कर में आगे चल रहे हैं। अपार भीड़ में निर्दलीय प्रत्याशी पवन यादव का मालाओं से जगह जगह स्वागत किया महिला और बुजुर्गों ने अपना आशीर्वाद देकर उन्हें अपना समर्थन दिया। रैली में शामिल हुए लोगों ने कहा कि युवा शिर्षित ईमानदार पवन यादव पार्षद पद के निर्दलीय

उम्मीदवार हैं, पहले उनके पिता राव राम कुमार भी यहां से पार्षद रह चुके हैं, उनका कार्यकाल इतना बढ़िया था कि उस समय किसी भी व्यक्ति को कोई भी परेशानी होती थी तो वह अपनी समस्याओं को लेकर राव राम कुमार के पास जाते थे वह स्वयं अपने खर्च से भी उस कार्य को कर के लोगों की सहायता कर थे। रैली में मौजूद सेक्टर 3 के लोगों ने कहा पवन यादव में उनके पिता की ही छवि है वह जनता के साथ है वह भी उनकी समस्याओं को सुनकर निवारण करने के लिए तत्पर खड़े रहते हैं। इस बारे में पवन यादव से

बात की गई तो उन्होंने कहा मेरे पिता मेरे आदर्श हैं उन्होंने के पद चिह्नों पर चलकर ही मैं यहां तक पहुंचा हूँ और आज जनता के बीच में हूँ, मैं भी जनता की सेवा करने में पीछे नहीं हटूंगा जिस तरह मेरे पिता ने पार्षद के रूप में पहले जनता की सेवा की थी ठीक उसी प्रकार मैं भी जनता के लिए अपने आप को समर्पण करता हूँ। इस मौके पर उनके पिता राव राम कुमार भी पवन यादव के लिए वोटों की अपील करते हुए दिखे। राव राम कुमार ने उन्होंने जनता से पवन यादव के चुनाव चिन्ह हवाई जहाज पर वोट डालने की अपील की।

OMAXE
Turning dreams into reality
250 Sqft. Shop
Starts @35.87 Lakhs
Monthly Rent 37,125/-
INVESTOR SMILE REAL ESTATE
9899403449, 9810796736

14,70,687 मतदाता डालेंगे वोट नगर निगम चुनाव के मद्देनजर बनाए गए 1302 मतदान केंद्र



समाचार गेट/संजय शर्मा फरीदाबाद। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त विक्रम सिंह ने आज शुक्रवार को जिला फरीदाबाद नगर निगम चुनाव के लिए स्थापित स्ट्रांग रूम का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। उन्होंने सर्वप्रथम सेक्टर - 14 स्थित महात्मा हंसराज ऑडिटोरियम, डीएवी स्कूल में स्थापित स्ट्रांग रूम का निरीक्षण कर चुनाव पारदर्शिता व निष्पक्षता से करने के लिए अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। इसके पश्चात राजकीय महिला विद्यालय सेक्टर-16, समुदायक केंद्र सेक्टर-28, के एल मेहता महिला कॉलेज, एनआईटी-5 और डीएवी कॉलेज एनआईटी-3 में स्थापित स्थापित स्ट्रांग रूम, बेरेगेटिंग और पार्किंग समेत दूसरी व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर जायजा लिया। इस अवसर पर उनके साथ एसडीएम फरीदाबाद शिखा, डीडीपीओ प्रदीप कुमार, डीआरओ सुशिल शर्मा सहित सभी विभागों से सम्बंधित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

दांत दर्द के सरल उपचार

दांत हमारे चेहरे की शोभा हैं। ये भोजन चबाने और पचाने के लिए पहला स्त्रोत हैं। इनको ठीक रखना जरूरी है।

अधिक मिठाइयां खाने, चीनी खाने, धूम्रपान, बेकरी की बनी चीजें खाने, कभी गम तो कभी ठंडा एक साथ पीने, दांत साफ न करने-विशेषकर राक को सोने से पूर्व दांत साफ न करने से दांतों के रोग हो जाते हैं। फिर तो दांत दर्द भी करते रहते हैं। जल्दी टूट जाते हैं। खाने-पीने का सारा मजा किरकिया हो जाता है। दांतों में पीब पड़ना, दांतों से खून निकलना, मसूढ़े खराब रहना परेशानी का कारण है।

मसूढ़े तथा दांत ठीक रहें, इसके लिए- धूम्रपान, मिठाई, चीनी, टॉफी केक, आदि की त्याग करें।

नीम के दातुन से दांत साफ करना सबसे अच्छा है या जो भी दातुन मिले वही ठीक है। न मिले तो ब्रश ही सही।

अधिक गर्म पदार्थ, अधिक ठंडे पदार्थ नहीं खाएं। विशेषकर एक के बाद दूसरा न खाएं, न पीएं।



जाएगा तथा दर्द भी ठीक होता जाएगा।

ये चीजें अधिक खाएं:

1. सालद, 2. कच्ची सब्जियां, 3. पके फल, 4. नींबू, 5. गाजर, 6. मूली, 7. शलजम, 8. गन्ना, 9. प्याज, 10. लहसुन, 11. दूध, 12. आंवला, 13. हल्दी, 14. लौंग, 15. हींग, 16. बीन्स फलियां आदि।

आंवले का रस: आंवले का रस निकालें। इसमें जरासा पिसा कपूर मिलाएं। इसे दांतों पर लगाएं। दर्द ठीक होगा।

नींबू का रस: आधा गिलास पानी लें। इसमें सेंधा नमक डालकर मिलाएं। इसमें नींबू निचोड़ें। अब इससे दांत साफ करें। कुल्ल करें।

हींग तथा हल्दी: पिसी हुई हींग तथा हल्दी थोड़ी-थोड़ी मात्रा में ले। इसे दुखते दांतों पर रखें। थोड़ा दबाएं।

हल्दी का चूर्ण: इसे दांतों पर मलने से दर्द नहीं रहता।

लौंग: दर्द करते दांतों में लौंग रखें। गंदा पानी निकल न जाए।

अब नहीं होगा प्रेग्नेसी में हाई ब्लडप्रेसर

गर्भवती महिलाएं अब उच्च रक्तचाप की बीमारी से छुटकारा पा सकेंगी। महाराष्ट्र के कोल्हापुर के प्रसूति विशेषज्ञ डा. सतीश पत्की ने शुक्रवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में यह दावा करते हुए कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार के राष्ट्रीय कोशिका विज्ञान केंद्र के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. रमेश भोंदे के साथ मिलकर एक अन्टी स्ट्रेम सेल थैरेपी इंजाइड की है जिससे इस बीमारी से छुटकारा पाया जा सकता है।

गर्भधारण करने के 20 सप्ताह के बाद औरतों में पैरों, हाथों और चेहरे की सूजन बढ़ती है और इसी के साथ औरत का रक्तचाप बढ़ जाता है जिससे काफी समस्याएं पैदा होती हैं। इस बीमारी को 'सिड्रोम ऑफ थियरीज' कहा जाता है। सैंकड़ों वर्षों से चिकित्सा बिरादरी के समक्ष यह बड़ी चुनौती थी कि आखिर कुछ गर्भवती महिलाओं का रक्तचाप अचानक कैसे बढ़ जाता है और भारतीय संदर्भ में यह और भी महत्वपूर्ण है, जहां बच्चे को जन्म देने के दौरान अथवा बच्चे को जन्म देने से पूर्व माताओं की मृत्यु दर अधिक है। डा. पत्की ने बताया कि उनके इंजाइड किए इलाज में गर्भवती महिला को दो दिन अस्पताल में बिताने होंगे और इलाज में कोई बड़ा ऑपरेशन शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि इलाज में बोन मैरो ऑपरेशन किया जाता है और उसके नमूने की प्रयोगशाला में जांच की जाती है जिसके बाद स्ट्रेम सेल पॉपुलेशन को अलग कर गर्भ में गर्भनाल के स्थान पर सुई से

लगाया जाता है। इसके बाद मरीज के रक्तचाप में काफी सुधार दिखता है और तनाव से रहत पाने के अलावा वह स्वस्थ बच्चे को जन्म देने में सक्षम होती है। डा. पत्की के अनुसार उन्होंने अत्यधिक उच्च रक्तचाप से पीड़ित 15 गर्भवती महिलाओं का इस तकनीक से सफल इलाज किया है। डा. पत्की ने कहा कि उन्होंने और डा. भोंदे ने इस प्रणाली का पेटेंट करवाने के लिए आवेदन किया हुआ है और उन्हें लगता है कि इस अनुसंधान की प्रभावशीलता के मूल्यांकन के लिए और व्यापक संशोधन की आवश्यकता है।



हेल्थ प्लस

नहीं छूट रही सिगरेट लंग कैंसर के मामले बढ़े



सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान प्रतिबंधित किए जाने के बावजूद धूम्रपान को रोकने में अपेक्षित मदद नहीं मिल पाई है और इस लत के कारण फेफड़ों के कैंसर के मामलों में वृद्धि हो रही है। विशेषज्ञों की मानें तो फेफड़ों के कैंसर का मुख्य कारण धूम्रपान है। सर्वाधिक चिंता की बात यह है कि युवा पीढ़ी में फेफड़ों के कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं और वह आधुनिकता की चाह में धूम्रपान की गिरफ्त में तेजी से आ रही है। वरिष्ठ चिकित्सक डा. श्याम अग्रवाल ने बताया कि धूम्रपान के साथ-साथ मद्यपान भी फेफड़ों के कैंसर का जन्मदाता होता है। तमाम प्रयासों के बावजूद आज स्थिति यह है कि फेफड़ों का कैंसर आज दूसरा सर्वाधिक कामन कैंसर है। सिगरेट का धुआं और अल्कोहल फेफड़ों की कोशिकाओं और तंतुओं को क्षतिग्रस्त कर देते हैं जिससे उनमें कैंसरकारी ट्यूमर उत्पन्न हो जाता है। फलस्वरूप फेफड़ों का सामान्य कामकाज प्रभावित होता है और अन्य समस्याएं भी होने लगती हैं। इंडियन सोसायटी आफ मेडिकल एंड पीडियाट्रिक ऑन्कोलोजी (आईएसएमपीआ) के एक अध्ययन के अनुसार फेफड़ों के कैंसर के मामले भारत में तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। हर साल कम से कम 50,000 नए मामलों का पता चलता है। वरिष्ठ चिकित्सक डा. सुनीता माहेश्वरी ने बताया कि दूरदराज के गांवों में तो कैंसर के बारे में आज भी ज्यादा जानकारी नहीं है। वहां आज भी लोग हुक्का, बीड़ी, शराब आदि का सेवन करते हैं। महिलाएं भी पीछे नहीं रहतीं। शहरों में जानकारी होने के बावजूद लोग धूम्रपान और मद्यपान से दूर नहीं रहते। नतीजा, फेफड़ों का कैंसर के रूप में सामने आता है। डा. माहेश्वरी मानती हैं कि फेफड़ों के कैंसर से बचाव के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता फैलाई जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि भारत में फेफड़ों के कैंसर का अच्छे से अच्छा इलाज उपलब्ध है लेकिन जागरूकता का अभाव हर उपलब्धि पर जैसे पानी फेर देता है। डा. अग्रवाल के अनुसार हर पांच में से एक व्यक्ति केवल इसलिए फेफड़ों के कैंसर का शिकार होता है क्योंकि वह धूम्रपान करता है। इसलिए सबसे पहले धूम्रपान पर प्रतिबंध को अत्यंत कठोरता से लागू किया जाना चाहिए। साथ ही हर स्तर पर जागरूकता अभियान भी चलाया जाना चाहिए।

कैसे स्वस्थ रहें बच्चें?

आजकल भागमभाग वाली जिंदगी में बच्चों को दैनिक दिनचर्या सिर्फ स्कूल आने-जाने सोने और खाने तक ही सिमित कर रह गई है। बच्चों का छह-सात घंटे का समय सिर्फ स्कूल आने-जाने और पढ़ने में ही बीत जाता करता है। घर भी उन्हें सुकून नहीं मिलता। माता-पिता अपने बच्चों को ट्यूशन लगावा देते हैं क्योंकि उन्हें हर समय यह डर बना रहता है कि इस प्रतिस्पर्धा के युग में कहीं उनका बच्चा पिछड़ न जाए फिर बच्चों के पास अगर समय बचता है, तो सिर्फ होमवर्क करने, टी.वी. देखने, खाने और सोने का।

स्कूल से वापस आते समय बच्चों का फूल सा चेहरा मुरझा जाता है तबीयत बिगड़ जाती है। बच्चे स्कूल से आने के बाद भी पढ़ाई के लिए मां-बाप की डांट-उपट खाते रहते हैं। अतः स्कूली पढ़ाई, होमवर्क आदि के कारण बच्चे हर समय तनाव में जीते हैं। तनाव का असर उनके स्वास्थ्य पर भी पड़ता है।

बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है कि उन्हें संतुलित पौष्टिक भोजन दिया जाए। साथ ही खाने-पीने एवं अन्य दिनचर्याओं पर भी ध्यान दिया जाए। इसके लिए निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना आवश्यक है :

■ बच्चों को प्रातः बेंड-टी की आदत कतई न डालें। प्रातः उठने पर एक गिलास गुनगुने पानी में एक नींबू का रस निचेड़कर पिलाएं। इससे एक तो पाचनशक्ति बढ़ेगी और दूसरी प्रतिरोधक क्षमता बनी रहती है।

■ नाश्ते में प्रतिदिन एक गिलास दूध, एक फल जैसे सेब, केला, संतरा, अमरूद आदि का समावेश अवश्य किया जाना चाहिए। साथ ही अंकुरित अनाज अवश्य ही खिलाया जाना चाहिए। अंकुरित अनाज में सूखे मेवे से अधिक ताकत मिलती है। अंकुरण के कारण इसमें विटामिन-ई भी पाया जाता है तथा रेशा होने से बच्चों में मोटापा नहीं आ पाता है।

■ दोपहर व रात के खाने में दाल, हरी सब्जी, दही, कड़ी, सलाद, रोटी-चावल अवश्य खिलाया जाना चाहिए। याद रखें, ज्यादा तलाभुना खाने से शरीर में वसा की अधिकता हो जाती है, इसी लिए ऐसा भोजन देना चाहिए जिसमें प्रोटीन की मात्रा अधिक हो।

■ आइसक्रीम एवं चाकलेट बच्चे बहुत पसंद करते हैं पर



स्वास्थ्य के लिए ये सही नहीं हैं। अगर बच्चा जिद करें तो सप्ताह में एक बार तो चाकलेट या आइसक्रीम दे सकते हैं।

■ बच्चे को प्रतिदिन छह से आठ गिलास पानी पीने की आदत डालनी चाहिए। इसी प्रकार रात को नौ बजे तक बिस्तर पर सो जाना भी आवश्यक होता है। पूरी नींद लेने से बच्चा चिड़चिड़ा नहीं होता।

■ बच्चों को सूर्योदय से पहले उठने की आदत डालनी चाहिए। इसी प्रकार रात को नौ बजे तक बिस्तर पर सो जाना भी आवश्यक होता है। पूरी नींद लेने से बच्चा चिड़चिड़ा नहीं होता।

■ शाम के समय बच्चों को बैडमिंटन, टेबलटेनिस, हॉकी आदि खेलने को कहें। इससे पूरे शरीर का अच्छा-खासा व्यायाम हो जाता है।

■ छुट्टी के दिन बच्चों को सुबह जागिंग पर ले जाएं। खुली हवा में सांस लेने से बच्चों में स्फूर्ति बढ़ती है।

हमारी यही राय है कि माता-पिता अपने बच्चों को पढ़ाएं, चाहें वो लड़का हो या लड़की। कभी भी लड़के-लड़की में अंतर न समझें। यदि आप ये सोचते हैं कि लड़की पढ़-लिख कर क्या करेगी आखिर लड़की तो परायी होती है, ऐसा बिल्कुल न सोचें यदि इन्हें आप पढ़ायेगे तो आगे जाकर ये अपने माता-पिता व समाज का नाम रोशन करेंगी। इसी लिए सभी को पढ़ाएं। यदि लड़की पढ़ी-लिखी होगी तो अपने परिवार की देख-रेख स्वयं कर सकती है।

मोटे पेट की समस्या



हमारे पेट में कई प्रकार के बैक्टीरिया और खमीर होते हैं। इनमें से कुछ हमारे लिए हानिकारक भी होते हैं। जब पेट में खमीर की मात्रा बढ़ जाए और अच्छे बैक्टीरिया कम हो जाएं, तो पाचन क्रिया प्रभावित होती है और गैस बनने लगती है। इन मद्दगार बैक्टीरिया की कमी के कारण खाना ठीक से नहीं पचता, पेट में परेशान करने वाली हलचल होती है, जी मिचलता है और डकार आती है, गैस निकलती है।

विशेषज्ञों के अनुसार पेट की परेशानियों से बचने के लिए एक तो तय समय पर ही भोजन किया जाए, अत्यधिक (बार-बार) चाय, कॉफी से बचा जाए, मांस-मछली, मदिरा आदि का अधिक सेवन न किया जाए।

इसके अलावा अधिक तले पदार्थ, मिर्च मसाला आदि न खाएं। खाने की मनाही नहीं है, जो भी आप खाना चाहें खाएं परंतु एक ही चीज अधिक मात्रा में तो दूध पानी भी हानिकारक है। ताजे फल-सब्जियां और सादा भोजन लेने से पेट अधिक ठीक रहेगा।

“राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार”

समाचार गेट

लोकतंत्र में मतदाताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लोकतंत्र में जनता अपने प्रतिनिधियों का चुनाव स्वयं करती है। लोकतंत्र में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका मतदाताओं की होती है। मतदाताओं की निर्वाचन में जितनी अधिक संख्या में सहभागिता रहेगी उतना ही लोकतंत्र सशक्त होगा। हमारे देश के संविधान में निष्पक्ष चुनाव के लिए अनेक प्रावधान किए गए हैं। यहाँ जितने बड़े स्तर पर चुनाव सम्पन्न होता है, उतना अन्य किसी देश में शायद ही होता होगा। हम सभी को मतदान करना है और मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित भी करना है।



धन्यवाद नरवीर यादव, कार्यकारी संपादक

हर नागरिक को लेना चाहिए मतदान में हिस्सा

चुनाव आयोग हर पाँच वर्ष बाद आम चुनाव करवाता है। मतदान का दिन हमारे जीवंत लोकतंत्र का उत्सव है। यह हर नागरिक को मतदान का अधिकार उपयोग करने और राष्ट्र के भविष्य को आकार देने की शक्ति देता है। आज आपको नए मतदाताओं को मतदान के लिए प्रोत्साहित करना है। इस दिन का लक्ष्य मतदान के प्रति जागरूकता फैलाना भी है और भविष्य के लिए अधिक से अधिक नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करना है। लोकतांत्रिक शासन प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए, एक-एक वोट का महत्व है।



धन्यवाद कृष्णा शर्मा, संपादक

आपका वोट ही, आपकी आवाज है।



